बकरी सह कड़कनाथ कुक्कुट पालन - आय और रोजगार का एक अच्छा स्रोत

डॉ विवेक प्रताप सिंह, वि.व.वि. पशुपालन
महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र

परिचय: 45 वर्षीय श्री राजेश कुमार वैश्य पुत्र राम केवल सिंह पाली ब्लाक के ग्राम चादबारी जिला गोरखपुर के निवासी है | राजेश जी ग्रेजुएशन पूरा करने के बाद अपने 2.0 एकड़ भूमि पर खेती का कार्य कर रहे थे। इनकी वार्षिक आय धान गेहूं फसल चक्र से 1.0 से 1.5 लाख थी जो कि इनके 8 लोगो के परिवार के लिये पर्याप्त नही था ।

योजना, कार्यान्वयन: सत्र 2018-19 में श्री राजेश जी महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञानं केंद्र द्वारा आयोजित वैज्ञानिक मुर्गी एवं बकरी पालन प्रशिक्षण में प्रतिभाग कर कृषि विज्ञानं केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक के मार्गदर्शन में पोल्ट्री एवं बकरी पालन का कार्य करना शुरू किया । इन्होने बकरी की बरबरी एवं सिरोही नस्ल की बकरी तथा कड़कनाथ मुर्गी को अपने व्यवसाय में शामिल कर अपनी आय को बकरी से लगभग 3.5 लाख/वर्ष वही कड़कनाथ से 3.5 लाख/वर्ष लाभ प्राप्त कर रहे है । कृषि विज्ञानं केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक द्वारा वर्ष 2020 में आयोजित वैज्ञानिक मुर्गी, बकरी पालन एवं समेकित कृषि प्रणाली पर प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी जानकारी को बढाकर अपने फसल उत्पादन में बकरी एवं मुर्गियों के खाद का उपयोग कर अपने फसल में लगने वाले लागत को कम कर अच्छी आय प्राप्त कर रहे है ।

उत्पादन:

लागत 800 मुर्गियों पर = रु 1.5 लाख
मुर्गी पालन से वार्षिक आय = 3.7 लाख
150 बकरियों पर कुल लागत = 6.5 लाख
बकरी पालन से वार्षिक आय = 3.5 लाख

परिणाम: शुद्ध वार्षिक आय

शुद्ध वार्षिक आय मुर्गी फार्म द्वारा = रु 2.20 लाख
शुद्ध वार्षिक आय बकरी फार्म द्वारा = रु 3.00 लाख
शुद्ध वार्षिक आय फसलो द्वारा = रु 0.60 लाख
कुल वार्षिक आय (मुर्गी + बकरी + फसल) = 5.80 लाख

परिणाम: मुर्गी एवं बकरी पालन से अच्छी आय प्राप्त करने के फलस्वरूप इसे इन्होने अपने कृषि प्रणाली में इसको शामिल किया है । इसी तरह अन्य कृषक भी इसे अपनाकर अपने आजीविका के क्षेत्र में अपनी स्थिति में सुधर कर सकते है । इस तरह का व्यवसाय ना केवल कृषको के आय बढ़ाने में वरन रोजगार सृजन में भी सहायक हो सकते है।

प्रभाव: एकीकृत मुर्गी एवं बकरी पालन द्वारा संसाधनों का बेहतर उपयोग कर उचित पोषण के साथ रोग नियंत्रण और प्रबंधन, पर्याप्त लाभ प्रदान करता है । श्री राजेश कुमार की आय में तीन गुना तक वृद्धि हुई, जिससे उनकी आजीविका में सुधार हुआ और अन्य किसानों के लिए इसका उदाहरण प्रस्तुत किया है । श्री राजेश कुमार बकरी सह मुर्गी पालन को लोकप्रिय बनाने के संबंध में प्रगतिशील किसानों में से एक हैं। यह तकनीक उन्हें आजीविका, सशक्तिकरण के लिए मदद करती है। अब इस तकनीक को आस-पास के गाँवों के किसान देखकर और विश्वास करके अपना रहे है।

REDMI NOTE 8
48MP QUAD CAMERA

REDMI NOTE 8
48MP QUAD CAMERA

REDMI NOTE 8

REDMI NOTE 8
48MP QUAD CAMERA